हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

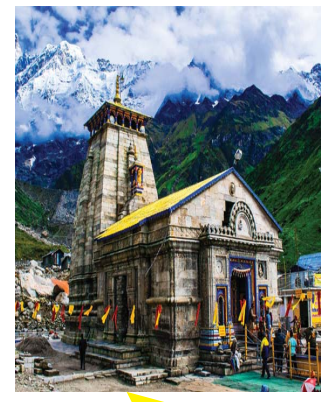

वर्ष:5 अंक:17 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, बुधवार, 21 जनवरी 2026

नितिन नवीन ताजपोशी पर बोले पीएम नरेंद्र मोदी

नितिन नवीन आज से मेरे बॉस, मैं उनका कार्यकर्ता

नई दिल्ली। भाजपा के नवीन अध्यक्ष ने पदभार संभाल लिया है। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी और दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में सभी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रक्रिया से चलती है। उन्होंने कहा कि आज से नितिन नवीन ही हमारे अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे यहां मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप चलती है। उन्होंने कहा कि हम पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी बड़ी आवाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए हमेशा सेवा ही सर्वोपरि है, सत्ता तो उसके लिए एक माध्यम ही है। इसीलिए हमारा स्ट्राइक रेट बहुत अधिक है।

पीएम मोदी ने कहा कि अब तो हम नगर निगम में भी पहली पसंद हैं। भाजपा महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के सभी नेताओं को संदेश देते हुए कहा कि आज से नितिन नवीन मेरे बॉस हैं। इस तरह उन्होंने पूरी भाजपा को संदेश दे दिया कि नितिन नवीन ही पार्टी के नए मुखिया हैं और इसके नाते हर

नेता को उन्हें सम्मान देना ही होगा। उन्होंने कहा कि नए नेताओं के लिए भाजपा एक मंच है। हमारे अध्यक्ष सबसे युवा हैं और ऊर्जा से भरे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मैं आज कल के युवाओं की भाषा में बात करूं तो नितिन जी खुद भी एक तरह से मिलेनियल हैं। वह उस पीढ़ी से हैं, जिसने भारत में बड़े आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी बदलाव होते देखे हैं। वह उस पीढ़ी से हैं, जिसने बचपन में रेडियो से सूचनाएं पाईं और आज एआई के एक्टिव यूजर भी हैं। उनके पास ऊर्जा भी है और संगठन में काम करने का लंबा अनुभव भी है। यह हमारे दल के हर कार्यकर्ता के लिए बहुत उपयोगी होगा। इस साल जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और मैं आज इस अवधि में काम करने वाली अनेक पीढ़ियों के लाखों कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं। इस

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भाजपा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष से की भेंट

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा देशभर में पार्टी के जनाधार को मजबूत करने की दिशा में उनके नेतृत्व की सफलता की कामना की।

दौरान पीएम ने मंच पर बैठे राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के अध्यक्ष कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह जी के दौर में ही भाजपा पूर्ण बहुमत से केंद्र में आई। फिर अमित शाह जी के अध्यक्ष कार्यकाल में भाजपा दूसरी बार केंद्र में पूर्ण बहुमत से आई। फिर जेपी नड्डा जी की लीडरशिप में भाजपा संसद से पंचायत तक मजबूत हुई।

भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जहां पद नहीं प्रक्रिया अहम होती है। मैं भले ही पीएम हूं और तीन बार से हूं। लेकिन मेरे लिए पार्टी का कार्यकर्ता होना सबसे बड़े गर्व की बात है। इसीलिए जब बात पार्टी की आती है तो मैं कार्यकर्ता हूं और माननीय नितिन नवीन जी मेरे बॉस हैं।

बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का पहला फैसला, विनोद तावड़े को बनाया केरल का प्रभारी

नई दिल्ली। नितिन नवीन के रूप में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मिला है. उन्हें मंगलवार (20 जनवरी 2026) को बीजेपी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक तौर पर चुना गया. इस साल देश राज्यों में होने वाले अलग-अलग चुनावों के लिए नितिन नवीन ने पहली नियुक्तियां कर दी है. उन्होंने विनोद तावडे को केरल विधानसभा के लिए चुनाव प्रभारी और शोभा करंदलाजे को सह प्रभारी बनाया है. महाराष्ट्र सरकार में मौजूदा मंत्री आशीष शेलार को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है.

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विनोद तावडे को चंडीगढ़ मेयर चुनाव की भी जिम्मेदारी सौंपी है. इसके अलावा राम माधव को ग्रेटर बेंगलुरु के कारपोरेशन चुनाव का प्रभारी, सतीश पूनिया और संजय उपाध्याय को सह प्रभारी बनाया गया है. नितिन नवीन ने आगामी तेलंगाना नगर निगम चुनावों के लिए आशीष शेलार को चुनाव प्रभारी, अशोक

परनामी और रेखा शर्मा को चुनाव सह-प्रभारी नियुक्त किया है.

नितिन नवीन ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में बीजेपी की सफलता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने, सनातन परंपराओं और आस्था की रक्षा करने और देश को जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से बचाने का भी आह्वान किया. उन्होंने कहा, '15 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं से सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने का आह्वान किया था. मैं देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि राजनीति से दूर रहना

डेमोग्राफिक चेंज पर हो रही चर्चा : नितिन नवीन

उन्होंने कहा, 'बीजेपी की निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत है कि वह हर छोटी से छोटी बात पर नजर रख सकती है और एक दिन आपको उस मुकाम तक पहुंचाएगी जिसके आप हकदार हैं.'

बीजेपी के नए अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में आगामी चुनावों से पहले राज्यों में डेमोग्राफिक चेंज पर चर्चा हो रही है.

समाधान नहीं, बल्कि सक्रिय योगदान देना ही समाधान है.'

नितिन नवीन बिहार से पांच बार विधायक रह चुके हैं और 14 दिसंबर को बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने से पहले राज्य सरकार में कानून एवं न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री रह चुके हैं. बीजेपी अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ और मंडल स्तर पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम जारी रखने का आग्रह किया.

सोशल मीडिया पर वायरल भाजपा कार्यालय की तस्वीर, संगठनात्मक संस्कार

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

एक साधारण सी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। यह तस्वीर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एक ही पंक्ति में साधारण प्लास्टिक की कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे हैं। न कोई विशेष प्रोटोकॉल, न भगवा वस्त्रों का प्रदर्शन और न ही कोई तामझाम–यह दृश्य भाजपा कार्यालय का बताया जा रहा है।

इस तस्वीर को भाजपा के संस्कार, संगठनात्मक अनुशासन और सादगी का प्रतीक माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह दृश्य यह संदेश देता है कि पद अस्थायी होते हैं, जबकि कद कर्म और

जनसेवा से तय होता है। सत्ता का अहंकार क्षणिक होता है और जनता सब कुछ जानती है।

भाजपा लंबे समय से सादगी, अनुशासन और कार्यकर्ता आधारित संस्कृति की बात करती रही है। यह तस्वीर उसी विचारधारा को व्यवहार में दर्शाती है, जहां नेतृत्व आम कार्यकर्ता के साथ समान स्तर पर बैठकर संगठन के मूल्यों को सुदृढ़ करता दिखाई देता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने दी बधाई

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के चयन पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उन्हें हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने इसे संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी निर्णय बताते हुए कहा कि यह नेतृत्व भाजपा को नए युग की ओर अग्रसर करेगा। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में नितिन नबीन जी का सशक्त, ऊर्जावान और अनुशासित नेतृत्व पार्टी को नई दिशा, नई गति और नए शिखर प्रदान करेगा। अंत्योदय के संकल्प, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ 'राष्ट्र प्रथम' का विचार हर कार्यकर्ता के मन में और अधिक मजबूती से स्थापित होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नबीन जी का कार्यकाल भाजपा की

वैचारिक दृढ़ता, सांगठनिक विस्तार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उनके नेतृत्व में भाजपा जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्रहित के अपने लक्ष्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ उन्होंने नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष को उज्ज्वल, सफल और ऐतिहासिक कार्यकाल के लिए अनंत शुभेच्छाएँ प्रेषित कीं।

डीएम मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने की नोडल अधिकारियों के साथ बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने एनआईसी सभागार में नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों एवं सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश गए है कि जो दायित्व एवं जिम्मेदारी जिस अधिकारी को सौंपी गई है, वो अपने दायित्वों का निर्वाहन संवेदनशीलता के साथ करे, इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता एवं लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग को सड़क मार्ग को दूरस्त रखने, विद्युत विभाग को विद्युत व्यवस्था दूरस्त रखने, पेयजल विभाग को पेयजल व्यवस्था एवं नगर निगम को उचित साफ सफाई व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। अन्य सभी बिंदुओं को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए है कि कार्य स्थल पर एबुलेंस सहित पर्याप्त चिकित्सकों की टीम उपलब्ध रखी जाए। बीएसएनल के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कार्यक्रम स्थल पर संचार व्यवस्था दूरस्त रखने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के लिए चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था कराई जा रही है।

बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ, एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, फूड सेफ्टी ऑफिसर एम एन जोशी, अधिशासी अभियंता यूपीसीएल दीपक सैनी, अधिशासी अभियंता जल संस्थान विपिन चौहान, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा) मीनाक्षी मित्तल, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डीजीपी दीपम सेठ ने गृहमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिये दिशा निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सम्मिलित होने के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। मंगलवार को वीवीआईपी कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीजीपी दीपम सेठ ने भी अधिकारियों के साथ बैठक की और स्थलीय निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये। इस दौरान बैरागी कैंप में आयोजित बैठक में वीवीआईपी कार्यक्रम में नियुक्त पुलिस अधिकारियों की डी-ब्रीफिंग ली गई। अधिकारियों से ड्यूटी से संबंधित फीडबैक प्राप्त कर जमीनी हकीकत का आकलन किया गया। गृह मंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए पुलिस महानिदेशक द्वारा समस्त मातहत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोई चूक स्वीकार्य नहीं होगी।

ड्यूटी प्वाइंट्स पर तैनात बल को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को नाकाबिले बर्दाश्त बताते हुए अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु निर्धारित यातायात प्लान को सख्ती से लागू किए जाने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। सभी अधिकारी अपने अधीनस्थों को समय रहते हुए ब्रीफ करेंगे।

आदि गुरु शंकराचार्य को सम्मान सहित कराया जाए गंगा स्नानः आशुतोष तुम्बडिया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय ब्राह्मण महासंघ के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष पुरोहित आशुतोष तुम्बडिया के संयोजन में ब्राह्मण समाज एवं सनातन प्रेमियों ने आदि गुरू शंकराचाय्र अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज को समान स?हित गंगा स्नान कराए जाने की बात कही। प्रयागराज में आदि गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज एवं बटुक ब्राह्मण शिष्यों के साथ मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर मेला प्रशासन द्वारा किए गए दूर व्यवहार की घोर निंदा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उक्त मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष पुरोहित आशुतोष तुम्बडिया ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति को समर्पित आदि गुरु शंकराचार्य महाराजश्री का पद सनातन धर्म का सर्वोच्च पद है, उनका अपमान सनातन धर्म संस्कृति का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को चाहिए कि आदि गुरु शंकराचार्य महाराज को सम्मान सहित गंगा स्नान कराकर धर्म संस्कृति के मानने वाले लोगों को अच्छा संदेश दिया जाए। आदि गुरु शंकराचार्य महाराज का सम्मान बढ़ाया जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाए। इस मौके पर गोपाल दत्त जोशी, शिवदत्त भट्ट, दुर्गादत्त भट्ट, सुधीर शर्मा बॉबी, ठाकुर शैलेन्द्र सिंह, नवीन गड़कोटी, अभिषेक चुन्नू, विनीत दलाल, हर्षवर्धन बग्गा, खिलानंद भट्ट, नवीन जोशी, ललित जोशी, सुशील कुमार तुंबडिया, राकेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों को किया गया चयन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी ने बताया खेल महाकुम्भ-2025-26 के अन्तर्गत् मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए आयु वर्ग अण्डर-14 एवं 19 बालिका वर्ग का चयन किए जाने के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र में किया गया। इसके अलावा योगासन, तैराकी एवं कुश्ती की चयन प्रक्रिया का आयोजन योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद, हरिद्वार में कराया गया। जिसमें आयु वर्ग अण्डर-14 एवं 19 बालक एवं बालिकाओं द्वारा बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया। चयन प्रक्रिया नोडल अधिकारी, खेल महाकुम्भ-2025 मुकेश कुमार भट्ट की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक कराई गयी। बास्केटबॉल चयन प्रक्रिया में उत्तराखण्ड बास्केटबॉल उपाध्यक्ष विकास तिवारी, बास्केटबॉल हरिद्वार सचिव संजय चौहान, आलोक, मनोरम, लक्ष्य, शिवम, खेल प्रशिक्षक मुद्रसीम अली (समीर) आदि उपस्थित रहें। योगासन, तैराकी एवं कुश्ती की चयन प्रक्रिया में क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, बहादरबाद सोनू कुमार, उप क्रीडाधिकारी प्रदीप कुमार, जिला खेल समन्वयक गजेन्द्र सिंह, भरत सिंह, अक्षय कुमार, आकाश कुमार, मोहित नौटियाल, योगासन निर्णायक नेशनल जॅज योगासन विपिन नौटियाल, पूजा राठी, पदमा धीमान, अमन शर्मा, उपेन्द्र सिंह, शिवानी कोठारी, मनोज चौहान, पुलकित, अनुराग धामा, एवं खेल संस्थाओं के प्रतिनिधि व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गृहमंत्री अमित शाह के हरिद्वार आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन सर्तक, सुरक्षा का हाई अलर्ट

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गृहमंत्री भारत सरकार के प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की है। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे चप्पे की निगरानी रखी जा रही है। मंगलवार को ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और फोर्स को ब्रीफ किया गया।

उच्चाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से ब्रीफ करते हुए अपने-अपने अनुभव से इस प्रोग्राम को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां व आदेश निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक अभिसूचना ने कहा कि हमें इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को जीरो टॉलेंस को लेकर निर्विघन सम्पन कराना है। किसी भी प्रकार से किसी भी कर्मी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह उसे अपने उच्चाधिकारियों तक अवश्य पहुंचाए। हमारा उदेश्य ड्यूटी के साथ-साथ उच्च कोटी का व्यवहार व टर्नआउट होना आवश्यक है। क्योंकि हम वर्दी में हैं हमसे हर किसी की अपेक्षा होती है और हमारे द्वारा किसी भी प्रकार का गलत कार्य करने पर वह साफ दिखाई देता है।

शहर में तीन स्थानों पर है कार्यक्रम

फोर्स से मुखातिब होते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा बताया गया कि जनपद में तीन स्थानों पर वीवीआईपी कार्यक्रम प्रस्तावित है। सभी ऑफिसर्स समय समय से अपने ड्युटी एरिया में पहुंचकर सभी नियुक्त फोर्स को चैक करें व किसी भी कर्मचारी को ड्युटी के सम्बन्ध में शंका का मौके पर ही निवारण किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। यह ड्यूटी काफी महत्वपूर्ण है, इसलिए हमें सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करना है। सभी लोग एक दूसरे से समन्वय बनाकर इस कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराए जाने से योगदान देंगे।

आपसी समन्वय बनाकर करें कार्य– डीएम

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने समस्त पुलिस एवं प्रशासनिक ड्यूटीरत अधिकारी एवं कर्मचारी से कहा कि सभी लोग आपसी समन्वय बनाकर महत्वपूर्ण सूचनाओं का समय से आदान -प्रदान कर सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण करवाएं। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो अपने लिंक ऑफिसर को तत्काल सूचित करवाएं। अभी तक जो कार्य होने है वह भी आपसी समन्वय बनाकर समय से पूरा कर लिए जाएं।

बिना चेकिंग के न करें कोई प्रवेश

ब्रीफिंग में अपने संबोधन के दौरान एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी. मुरुगेशन द्वारा पूर्व में हुए वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सभी प्वाइंट ये इंश्योर करें कि बिना पास एँव चैकिंग के कोई भी कार्यक्रम एंव प्रवास स्थल पर प्रवेश नहीं करेगा।

सभी अधिकारी/कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी प्वाइंट्स की 'क्या करना है' की अच्छे से जानकारी होनी चाहिए। हम सभी को वीवीआईपी प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करना है। यह ड्यूटी काफी लम्बी है जिस हेतु समस्त फोर्स को खाने एंव रहने की प्रयाप्त व्यवस्था करवाई जाये कोई भी ड्यूटीरत कर्मचारी किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेगे। किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर वह स्वयं अपने कृत के लिए जिम्मेदार रहेंगे। अतिविशिष्ट महानुभाव के जनपद आगमन पर कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही न हो सभी लोग बनाए गए रूट प्लान के अनुसार प्रभावी यातायात व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे।

ट्रैफिक कर्मी रहे ड्यूटी पर मुस्तैद

ब्रीफिंग के दौरान एसपी क्राइम द्वारा सभी ट्रैफिक कर्मियों को पंक्चुअल रहने और सतर्कता से ड्यूटी करने हेतु निर्देशित किया गया। कहा कि फ्लीट मूवमेंट के समय सभी लोग एक दूसरे से कोऑर्डिनेशन बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में पास करवाना सुनिश्चित करेंगे। ब्रीफिंग कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय/जनपद वाहनियों से आए अधिकारी एवं जनपद के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी अन्य अधिकारी / कर्मचारी गण सम्मिलित हुए।

सुरक्षा व्यवस्था में नियुक्त पुलिस फोर्स

पुलिस अधीक्षक- 9, अपर पुलिस अधीक्षक-08, पुलिस उपाधीक्षक-13,
मुख्य अग्निशमन- 01, निरीक्षक/व0 उ0नि0-20, उ0नि0/अ0 उ0नि0-59,
म0उ0नि0-3, हे0कां0/कां0-507,
म0का-37,

यातायात पुलिस-

निरीक्षक- 6, उ0नि0/ 24, हे0कां0/-43

अभिसूचना इकाई बल-

निरीक्षक / व0उ0नि0-04, उ0नि0 / अ0उ0नि0-28, म0उ0नि0-7, हे0कां0/कां0-105,
म0कां0-13
अग्निशमन बल-26
एफएसओ -03,एफएसएसओ -02, एलएफएम -15, सीडीआर -13, एफएम -46, फायर टेंडर -12, मिनी हाई प्रेशर -02
पीएसी बल- 04 कम्पनी डेढ सेक्शन।
ए0टी0एस0-02 टीम
जल पुलिस -02 टीम ।
जनपद बी0डी0एस0-01 टीम ।
एनडीआरएफ- 01 टीम।
एसडीआरएफ -02 सब टीम।

एक नजर

समाजसेवी सलमानी की अपील, सब करें चाइनीज मांझे का बहिष्कार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी एवं समाजसेवी शहनवाज सलमानी ने बसंत पंचमी को लेकर लोगों से अपील की है। शहनवाज सलमानी ने कहा है कि हम सबको चाइनीज मांझे का बहिष्कार करना चाहिए। कहा कि अपने बच्चों को इसके बारे में बताना चाहिए कि इस मांझे से हमारा और हमारे समाज का कितना नुकसान हो रहा है। शहनवाज सलमानी ने कहा है कि बसंत पंचमी का पर्व नजदीक आते ही चाइनीज मझे की बिक्री दुकानों पर की जाता रही है, चाइनीज मांझा इंसानों के साथ-साथ जानवरों व पक्षियों के लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है। सलमानी ने कहा है कि कई बार पतंग उड़ते समय सड़कों पर चाइनीज मांझा की चपेट में वाहन चालक दुर्घटना का शिकार भी हो रहे हैं। सलमानी ने पुलिस प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि ज्वालापुर क्षेत्र में अभियान चलाया जाए जो व्यक्ति इस मांझे को बेचता पाया जाए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सिडकुल में निर्माणाधीन मकान के सेप्टी टैंक से मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र के गायत्री विहार कॉलोनी में सोमवार 20 जनवरी 2026 को एक निर्माणाधीन मकान में सेप्टी टैंक से शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी दी है। थाना प्रभारी नितेश शर्मा ने अनुसार निर्माणाधीन मकान में बनी एक दुकान के भीतर 4म5 फीट आकार और लगभग 6 फीट गहरा सेप्टी टैंक खुला हुआ था, जिसमें करीब 4 फीट पानी भरा हुआ था। इसी टैंक से एक शव बरामद किया गया, जो लगभग 10 से 15 दिन पुराना और सड़ी-गली अवस्था में था। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर जांच कराई गई। शव बाहर निकालने पर मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष, लंबाई लगभग 5 फीट पाई गई। मृतक ने सफेद शर्ट, नीले रंग की जैकेट और काले रंग की पैंट पहन रखी थी। शव पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि मृतक शराब के नशे में गलती से मकान में प्रवेश कर खुले गढ्ढे में गिर गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। मौके पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बताई गई है।

दो दिन शहर में लागू रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, भारी वाहनों की नो एंट्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह के जनपद आगमन के दृष्टिगत शहर में नया यातायात प्लान लागू किया गया है। शहर में अब अगले दो दिन भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। हरिद्वार आने वाले वाहनों को भी इसी प्लान के तहत आवाजाही कराया जाएगी।

पुलिस के मुताबिक 21व 22 जनवरी को गृह मंत्री अमित शाह के जनपद हरिद्वार भ्रमण कार्यक्रम पतंजली योगपीठ फेज-2,पतंजली योगपीठ फेज-1, गायत्री योगपीठ शान्तिकुंज, शताब्दी समारोह बैरागी कैम्प एवं गुरूकुल कांगड़ी हैलीपैड के दृश्टिगत हरिद्वार शहर की यातायात व्यवस्था इस प्रकार रहेगी।

वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक दिल्ली की ओर से हरिद्वार आने वाले यातायात को नगला इमरती से डायवर्ट कर लक्सर होते हुए हरिद्वार भेजा जायेगा। वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक नजीबाबाद से हरिद्वार होते हुए देहरादून जाने वाला हल्के वाहनों को वाया चीला होते हुए भेजा जायेगा। वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक दिल्ली से देहरादून जाने वाला यातायात वाया रूड़की-मोहण्ड होते हुए भेजा जायेगा। वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक ऋशिकेश से दिल्ली जाने वाला यातायात नेपाली तिराहा से वाया देहरादून-मोहण्ड होते हुए दिल्ली को जायेगा।

वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक सहारनपुर-भगवानपुर-धनौरी की ओर से हरिद्वार आने वाला यातायात बीएचईएल तिराहा से शिवालिक नगर-मध्य मार्ग होते हुए हरिद्वार आयेगा । वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21.01.2026 को समय सांय 15:00 बजे से एवं दिनांक 22.01.2026 को समय प्रातः 07:00 बजे से समाप्ति तक हरिद्वार से नजीबाबाद-बिजनौर को जाने वाले यातायात को सिंहद्वार-लक्सर-बालावाली होते हुए भेजा जायेगा। हरिद्वार शहर में दिनांक-20/21/22.01.2026 को समय प्रातः06:00 बजे से रात्रि 23:00 बजे तक भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। बाहरी जनपदों से हरिद्वार आने वाले भारी वाहनों को जनपद की सीमा पर ही रोका जायेगा। हरिद्वार शहर के अन्दर भारी वाहनों की जगजीतपुर पुलिस चौकी, श्यामपुर कांगड़ी, राजा बिस्कुट, सलेमपुर पिकेट, कोर कालेज रूड़की से नो एंट्री रहेगी। जनपद देहरादून से समन्वय स्थापित कर लाल टप्पड/नेपाली तिराहा पर रूकवाया जायेगा।

बेटी को स्कूल छोड़कर घर लौट रही महिला पर कुत्तों ने किया हमला

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

बेटी को स्कूल छोड़कर घर लौट रही महिला पर कुत्तों ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। घटना मंगलवार सवेरे की है। इस घटना से लोगों में दहशत है।

जानकारी के अनुसार राजविहार निवासी 48 वर्षीया पूनम बेटी को स्कूल छोड़कर वापस लौट रही थी। राजविहार फुटग्राउंड के पास आवारा कुत्तों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और बुरी तरह काटकर घायल कर दिया। कुत्तों के काटने से घायल पूनम को उनके पति ज्वालापुर स्थित सरकारी अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें टीटनेस और एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। महिला के पति सचिन अग्रवाल ने बताया कि राजविहार फुटबाल ग्राउंड और आसपास की गलियों में कुत्तों के झुंड हो गए हैं और आने जाने वाले दर्जनों लोगों को काट चुके हैं। उन्होंने बताया कि आवारा कुत्तों के संबंध में नगर निगम को शिकायत की तो कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इस पर उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करायी तो वहां से आवारा कुत्तों के संबंध में फिलहाल कोई व्यवस्था नहीं होने का जवाब दिया गया। बताया गया कि व्यवस्था होने पर जल्द ही कदम उठाए जाएंगे।

संपादकीय

स्वास्थ्य आत्मनिर्भरता की ओर एक निर्णायक कदम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की द्वारा विकसित अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच भारत के स्वास्थ्य नवाचार पारितंत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह पहल न केवल अत्याधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान का उदाहरण है, बल्कि किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा, महामारी की तैयारी और स्वदेशी जैवप्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास भी है। आज जब विश्व बार-बार उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों और महामारी के खतरों का सामना कर रहा है, ऐसे में यह शोध भारत को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित अति-विशाल, उच्च-विविधता एकल-डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी आधारित यह मंच संक्रामक रोगों, कैंसर, स्वप्रतिरक्षी विकारों और उभरते रोगजनकों के लिए तेज़, सटीक और प्रभावी निदान एवं उपचार की संभावनाओं को व्यापक बनाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह खोज प्रक्रिया की समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से कम करता है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यह अनुसंधान भारत की उस वैज्ञानिक सोच को रेखांकित करता है, जो प्रयोगशाला तक सीमित न रहकर समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से जुड़ी हुई है। आईआईटी रुड़की द्वारा स्वदेशी स्तर पर एक सार्वभौमिक एंटीबॉडी खोज प्रणाली का विकास न केवल राष्ट्रीय क्षमताओं को सुदृढ़ करता है, बल्कि आयातित जैविक उत्पादों पर निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों को भी मजबूती प्रदान करता है। इससे बौद्धिक संपदा का सृजन होगा और भारत वैश्विक जैवप्रौद्योगिकी मानचित्र पर एक सशक्त खिलाड़ी के रूप में उभरेगा।

यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों–विशेषकर अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण, नवाचार और वैश्विक साझेदारियों–के साथ पूर्णतः संगत है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए, जहाँ किफ़ायती और समयबद्ध स्वास्थ्य समाधान एक बड़ी चुनौती हैं, यह शोध आशा की नई किरण बन सकता है।

आईआईटी रुड़की और आईएमजीनएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुआ उद्योग-अकादमिक सहयोग यह दर्शाता है कि कैसे मौलिक अनुसंधान, अनुवादात्मक विज्ञान और औद्योगिक सहभागिता मिलकर समाज की जटिल समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। यदि ऐसे प्रयासों को निरंतर नीति समर्थन और निवेश मिलता रहा, तो भारत न केवल अपनी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को स्वयं पूरा करेगा, बल्कि विश्व के लिए भी नवाचार आधारित समाधान प्रस्तुत करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

अमेरिका और विश्व में अलग-थलग पडे ट्रंप, गैंगस्टर की छवि?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छवि सारी दुनिया में एक गैंगस्टर के रूप में बन रही है। जो अपनी सत्ता और ताकत के बल पर सारी दुनिया के देशों में कब्जा करना चाहते हैं। वह दादागिरी के बल पर शांति के मसीहा बनना चाहते हैं। ट्रंप को लगता है, उनके पास ईश्वरी शक्तियां आ गई हैं। वह जो चाहे वह कर सकते हैं। वह अमेरिका के संविधान में संशोधन कर तीसरी बार राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल में वह अपने परिवार के लोगों को सारी दुनिया के देशों में स्थापित करने की तैयारी में लगे हुए हैं। उनकी नीतियों के कारण अमेरिका और विश्व में उनका विरोध दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर जो अभियान छेड़ा है, उसे लेकर यूरोपीय और अन्य देशों पर जिस तरह का टैरिफ लगाया गया है, उसके कारण दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी जा रही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल का दूसरा वर्ष शुरू हो गया है। जब से वह दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के नाम पर वह धमका रहे हैं। दुनिया के 91 देशों के ऊपर अमेरिका ने टैरिफ की तलवार लटका रखी है। अमेरिका में महंगाई बढ़ती ही जा रही है। ईरान में अमेरिका को कड़ा झटका लगा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का जिस तरह से अपहरण कर अमेरिका की जेल में बंद करके रखा गया है, उससे ट्रंप और अमेरिका की साख सारी दुनिया में गिर गई है। ग्रीनलैंड में कब्जे और यूक्रेन को लेकर जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो और यूरोपीय देशों को अपने निशाने पर लिया है, उसके बाद अमेरिका का विरोध यूरोप के देशों में बढ़ता जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ महंगाई के कारण ट्रंप अपने ही देश में अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। हाल ही में हुए सर्वे में 58 फीसदी अमेरिकी नागरिकों ने ट्रंप की नीतियों को अमेरिका के खिलाफ बताया है। राष्ट्रपति ट्रंप के कई फेसलों पर अमेरिका की विभिन्न कोर्टों ने रोक लगा दी है। एजुकेशन, क्लीन एनर्जी और ग्रीन ट्रांजैक्शन से जुड़ी सहायता को अमेरिका ने रोक दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय विदेशी सहायता कार्यक्रम को रोक दिया है। यहां तक की वैश्विक संस्थाओं को अमेरिका द्वारा जो सहायता दी जा रही थी। उसको रोककर संस्थाओं से अलग होने की नई प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका का विरोध सारी दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ, इमीग्रेशन, रक्षा और एनर्जी के क्षेत्र में जिस तरह से यूरोपीय और नाटो देशों को नाराज किया है। इसका असर नवंबर माह में होने वाले मिड टर्म चुनाव में देखने को मिल सकता है। सर्वे के अनुसार ट्रंप संसद में अपना बहुमत खो सकते हैं। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है। ट्रंप मिड टर्म चुनाव को टाल भी सकते हैं। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप परिवारवाद को आगे बढ़ा रहे हैं। यूरोपीय और नाटो देशों के साथ जिस तरह से टकराव पैदा कर रहे हैं। उसको देखते हुए आगामी महीने डोनाल्ड ट्रंप के लिए काफी उथल-पुथल वाले साबित हो सकते हैं। अमेरिका की अभी तक जो वैश्विक छवि बनी हुई थी, उसमें तेजी के साथ दरार बढ़ती चली जा रही है। वैश्विक व्यापार संगठन की उपेक्षा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूएचओ और अन्य संस्थाओं से जिस तरह की दूरी डोनाल्ड ट्रंप बना रहे हैं। उससे स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिस तरह द्वितीय विश्व युद्ध के समय यूरोप से जिन कारणों से युद्ध की शुरुआत हुई थी ठीक उसी तरह की स्थिति एक बार फिर बनना शुरू हो गई है। ट्रंप की नीतियों के कारण वैश्विक आर्थिक मंदी की संभावना भी बनने लगी है। इस बात की आशंका आर्थिक विशेषज्ञ जता रहे हैं। ट्रंप की वर्तमान नीतियों से अमेरिका ठीक उसी राह पर चल पड़ा है, जैसे कभी सोवियत रूस चला था। जिसके कारण सोवियत रूस का विघटन हुआ। अमेरिका का जो वैश्विक वर्चस्व था, उसको बड़े पैमाने पर चुनौती मिल रही है। इस चुनौती का सामना किस तरह ट्रंप और अमेरिका करेगा, इसके लिए समय का इंतजार करना होगा।

टैरिफ के बावजूद वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक विकास दर छू सकती है नई ऊचाईयां

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 1 फरवरी 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारतीय संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले बजट के पूर्व वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के आर्थिक विकास से सबंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़े 7 जनवरी 2026 को जारी किए गए है। इस अनुमान के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। सकल घरेलू उत्पाद से सम्बंधित प्रथम अग्रिम अनुमान के आंकड़ों के आधार पर ही वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आर्थिक विकास से सम्बंधित द्वितीय अग्रिम अनुमान 27 फरवरी 2026 को जारी किए जाने हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान भी 7.3 प्रतिशत की वृद्धि का ही है परंतु भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग का अनुमान 7.5 प्रतिशत अथवा इससे अधिक का है। भारत की आर्थिक विकास दर विश्व के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक रहने की सम्भावना विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक (7.2 प्रतिशत), फिच नामक रेटिंग संस्थान (7.4 प्रतिशत) आदि संस्थानों ने भी व्यक्त की है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में हासिल की गई 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से आगे बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के कुछ मुख्य कारणों में शामिल हैं - (1) केंद्र सरकार के स्थिर उपभोग खर्च में वृद्धि दर जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2.3 प्रतिशत की रही थी, वह बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (2) विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.5 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 7.0 प्रतिशत रहने की सम्भावना है; (3) सकल मान योग में वृद्धि दर का 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है; (4) सकल स्थिर पूंजी निर्माण में वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है; (5) सेवा एवं कृषि क्षेत्र में क्रमशः 9.1 प्रतिशत एवं 3.1 प्रतिशत की सम्भावना व्यक्त की गई है; (6) भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर का 6.3 प्रतिशत से बढ़कर 6.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना होना भी शामिल है। अप्रेल 2025 से नवम्बर 2025 के खंडकाल में राजकोषीय घाटा 9.8 लाख करोड़ का रहा है जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के कुल अनुमान का 62.3 प्रतिशत है, अतः बजटीय घाटा भी अभी तक नियंत्रण में ही रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत होगा। इस प्रकार केंद्र सरकार की आय एवं व्यय से सबंधित स्थिति भी पूर्णतः नियंत्रण में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 7.4 प्रतिशत के अनुमान को उत्साहवर्धक माना जाना चाहिए क्योंकि यह वृद्धि दर ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद रहने वाली है। दरअसल ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ को वित्तीय बाजार में बहुत गम्भीरता से लिया जाकर इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभाव को बहुत बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है। परंतु, वास्तव में भारत के आर्थिक विकास दर पर इसका प्रभाव लगभग नहीं के बराबर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका को भारत से होने वाले निर्यात की कम मात्रा भी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विभिन्न वस्तुओं के निर्यात हुए थे, जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। अतः भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1.85 प्रतिशत ही रहे हैं। वैसे भी भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है ही नहीं (चीन की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है, इसीलिए चीन पर अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव अधिक हो सकता है), भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यतः आंतरिक उपभोग पर आधारित है। यदि भारत के नागरिक स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक सेवन करते हैं तो ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभाव को शून्य भी किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी भारतीय समाज को लगातार प्रेरणा दी जा रही है कि वे भारत में निर्मित उत्पादों का ही उपयोग करें ताकि भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। संघ ने पंच परिवर्तन नामक एक कार्यक्रम को प्रारम्भ किया है, जिसमें पांच बिंदु शामिल किए गए हैं - स्वदेशी का उपयोग, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन। भारत में समस्त नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन सुनिश्चित करें। इन संस्कारों में भारत के नागरिकों में 'देश प्रथम' के भाव का जागरण भी शामिल है। लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश की प्रगति होती हैं। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। करों का समय पर और सही राशि का भुगतान करना नागरिकों का कर्तव्य है। देश की आर्थिक प्रगति के लिए करों का उचित प्रबंधन आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक का यह भी कर्तव्य है कि वह समाज की भलाई के लिए स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसी सामाजिक सेवाओं में भाग लें। किसी भी देश के नागरिक यदि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना प्रारम्भ करते हैं तो इससे देश में उद्योगों को बढ़ावा मिलता है, अन्य देशों में उत्पादित वस्तुओं का आयात कम होता है और देश में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। स्वदेशी का मतलब विदेशी सामान इस्तेमाल नहीं करना है परंतु यह कार्य इतना आसान नहीं है क्योंकि आज विश्व के समस्त देश एक वैश्विक गांव में परिवर्तित हो गए हैं, जिसके चलते उत्पादों का एक देश से दूसरे देश में आयात एवं निर्यात बहुत आसान बन पड़ा है। आचार्य श्री विनोबा भावे जी कहते हैं स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। संघ ने इसमें एक बिंदु जोड़ दियाः आत्मनिर्भरता, अहिंसा और सादगी।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन पूंजीगत व्यय से लेकर पर्यटन विकास पर दिया जोर

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में पूंजीगत व्यय, सीएसएस योजनाएं, ईएपी योजनाएं, नाबार्ड योजनाएं, एसएएससीआई, एसएनए स्पर्श एवं विभिन्न विभागों की व्यय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि पूंजीगत व्यय, सीएसएस, ईएपी एवं नाबार्ड पोषित योजनाओं से जुड़े प्रस्ताव समयबद्ध रूप से भेजे जाएं। साथ ही, री-इम्बर्समेंट दावों को भी समय पर प्रस्तुत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो विभाग बेहतर कार्य कर रहे हैं, उन्हें और अधिक फंड उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन के लिए मजबूत मैकेनिज्म के निर्देश

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सभी परियोजनाओं के लिए स्पष्ट टाइमलाइन तय कर प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वित्त एवं नियोजन विभाग को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इंडिपेंडेंट थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन हेतु मजबूत मैकेनिज्म विकसित करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट

किया कि जिम्मेदारी तय करते हुए लापरवाही पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन परियोजनाओं में थर्ड पार्टी मूल्यांकन का प्रावधान नहीं है, वहां तत्काल यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए।

सिंचाई क्षेत्र दोगुना करने का लक्ष्य

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सिंचाई विभाग को प्रदेश के कुल 15 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र को अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने नए बैराज, नहरों एवं गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिए। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लगाए गए स्प्रिंकलर सिस्टम को प्रदेशभर में लागू करने तथा बंद या क्षतिग्रस्त सिंचाई तंत्र को पुनः सक्रिय करने पर जोर दिया गया।

पेयजल योजनाओं में जीरो कार्बन पर फोकस

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने पेयजल विभाग को जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में कार्य करने का लक्ष्य दिया। जल संस्थान एवं जल निगम को सोलर ऊर्जा को बैटरी से जोड़कर पेयजल योजनाओं में उपयोग करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए क्लाइमेट चेंज फंड के उपयोग पर भी जोर दिया गया। साथ ही, सभी एसटीपी प्लांट्स की 24×7 रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए प्रभावी मैकेनिज्म तैयार करने को कहा गया।

31 मार्च तक सभी सरकारी आवासों में वाटर मीटर

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने जल संस्थान को निर्देश दिए कि 31 मार्च तक देहरादून की सभी सरकारी कॉलोनियों को 100 प्रतिशत वाटर मीटर से संतृप्त किया जाए। इसके साथ ही प्रदेश के सभी नगर निगम क्षेत्रों में भी वाटर मीटर लगाए जाने पर बल दिया गया। उन्होंने पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा दूषित पानी की शिकायत पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। सौंग बांध परियोजना के पेयजल घटक की डीपीआर एक सप्ताह में शासन को सौंपने को कहा गया।

टिहरी को इंटरनेशनल डेस्टिनेशन बनाने की तैयारी

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने शहरी विकास विभाग को देहरादून सहित अन्य बड़े शहरों में बड़े पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। टिहरी को इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने तथा टिहरी झील रिंग रोड परियोजना को जल्द शुरू करने पर जोर दिया गया। पर्यटन विभाग को टिहरी, ऋषिकेश और चंपावत में पर्यटन विकास से जुड़े प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

ग्रीनिंग, साइंस सिटी और अन्य योजनाओं पर जोर

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने वन विभाग को सिटी ग्रीनिंग, एक्सप्रेस-वे और बायोफेंसिंग के मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए। आईटी विभाग को साइंस सिटी और विज्ञान केंद्रों की स्थापना के साथ उनके संचालन एवं मेंटरिंग के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने को कहा गया। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, पीसीसीएफ कपिल लाल, सचिव नितेश कुमार झा, सचिन कुर्वे, दिलीप जावलकर, पंकज कुमार पाण्डेय, वी. षणमुगम, आर. राजेश कुमार, युगल किशोर पंत, रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव हिमांशु खुराना, अपूर्वा पाण्डेय, मनमोहन मैनाली सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

बार काउंसिल चुनाव में एडवोकेट पृथ्वी राज चौहान ने अधिवक्ताओं से मांगा समर्थन

पथ प्रवाह, देहरादून। बार काउंसिल ऑफ़ उत्तराखंड के प्रतिष्ठित चुनाव आगामी 17 फ़रवरी 2026 को संपन्न होने जा रहे हैं, जिसे लेकर अधिवक्ता जगत में चुनावी गतिविधियाँ तेज़ हो गई हैं। इसी क्रम में बार काउंसिल उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट पृथ्वी राज चौहान ने सदस्य पद हेतु चुनाव मैदान में उतरकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। एडवोकेट पृथ्वी राज चौहान क्रम संख्या 58 पर सदस्य पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने प्रदेश भर के अधिवक्ता साथियों से प्रथम वरीयता का समर्थन, सहयोग एवं आशीर्वाद देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की प्रभावी रक्षा, बार-बेंच के बीच बेहतर समन्वय, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा अधिवक्ता पेशे की गरिमा बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ता साथियों का समर्थन उन्हें सेवा का अवसर प्रदान करेगा।

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए 25% आरक्षण अनिवार्य

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कानून को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे निजी गैर-सहायता प्राप्त, गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट नियम बनाएं। अदालत ने कहा कि शिक्षा में समान अवसर ही संविधान में निहित भाईचारे के मूल उद्देश्य को साकार कर सकता है।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में बेहद सशक्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक एक रिक्शा चालक का बच्चा, एक करोड़पति या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के बच्चे के साथ एक ही कक्षा में पढ़ेगा नहीं, तब तक वास्तविक सामाजिक समानता संभव नहीं है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि गरीब और वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि यह एक 'राष्ट्रीय मिशन' होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आरटीई कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें मुफ्त में आरक्षित करने की व्यवस्था कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसके लिए पारदर्शी और प्रभावी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। अदालत ने केंद्र और राज्यों से अपेक्षा जताई कि वे निगरानी तंत्र को मजबूत करें, ताकि किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी न हो।

इस फैसले को शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समरसता और समानता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे देश के लाखों वंचित बच्चों को बेहतर भविष्य की नई राह मिल सकेगी।

गृह मंत्री अमित शाह के आगमन पर हरिद्वार पुलिस अलर्ट, जनपदभर में सघन चेकिंग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गृह मंत्री अमित शाह के हरिद्वार कार्यक्रम को लेकर हरिद्वार पुलिस पूरी तरह सजग और सतर्क नजर आ रही है। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कोतवाली हरिद्वार, रानीपुर, ज्वालापुर एवं सिडकुल पुलिस द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में होटलों, धर्मशालाओं, गेस्ट हाउसों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार चेकिंग की जा रही है। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के सख्त निर्देशों का अनुपालन करते हुए पुलिस द्वारा होटल एवं लॉज के एंट्री रजिस्टरों की गहनता से जांच की जा रही है तथा ठहरे हुए व्यक्तियों की पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। चेकिंग के दौरान हर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु एवं वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इसके साथ ही जनपद की सीमाओं पर भी सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। बॉर्डर प्वाइंट्स पर पुलिस बल द्वारा आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है। बाहरी व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है तथा बिना वैध दस्तावेजों के पाए जाने वालों

के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वी.वी.आई.पी. कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। आमजन से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें और जांच अभियान में सहयोग करें।

राजस्थान में दर्दनाक सड़क हादसे: जोधपुर में श्रद्धालुओं की बस ट्रक से टकराई, 4 की मौत

उदयपुर में बाइक सवार युवक की जान गई

जोधपुर। राजस्थान में मंगलवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। जोधपुर-जैसलमेर हाईवे पर श्रद्धालुओं से भरी एक बस के ट्रेलर ट्रक से टकराने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शाम करीब 4:30 बजे केरू गांव में मुलनादा राजघराने की चौकी के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार, बस में कुल 20 यात्री सवार थे, जो जैसलमेर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल रामदेवरा में बाबा रामदेव के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। सभी यात्री गुजरात के अरावली जिले के रमना रूपन गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक से बस की जोरदार टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और तत्काल इलाज के लिए जोधपुर के एमडीएम

अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखा गया है। पुलिस ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और यातायात को सुचारू कराया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है।

इसी दिन उदयपुर जिले में भी एक अलग सड़क दुर्घटना सामने आई। सविना थाना क्षेत्र में बलीचा की ओर से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने आगे चल रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार 26 वर्षीय अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद 30 वर्षीय दीपेश कटारा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दीपेश को तत्काल एमबी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर यातायात नियमों के पालन और तेज रफ्तार पर नियंत्रण की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

एक नजर

नोएडा में दर्दनाक हादसा : 72 घंटे बाद गहरे गड्ढे से निकाली गई मृत सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के हाईटेक शहर नोएडा से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सेक्टर-96 के पास निर्माणाधीन सड़क पर बने गहरे गड्ढे में गिरी एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार को करीब 72 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। इस हादसे में कार सवार इंजीनियर की मौत पहले ही हो चुकी थी, जबकि घटना के कई घंटों तक उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा घने कोहरे या अंधेरे के कारण हुआ। निर्माणाधीन सड़क पर न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई थी और न ही किसी तरह के चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे। इसी लापरवाही के चलते इंजीनियर की कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद कार पूरी तरह कीचड़ और मलबे में समा गई, जिससे काफी समय तक उसका पता नहीं चल सका।

इंजीनियर के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। जांच के दौरान जब गड्ढे के भीतर गाड़ी का कुछ हिस्सा दिखाई दिया, तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें पुलिस, प्रशासन और बचाव दल की टीमों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। क्रेन और अन्य भारी मशीनों की मदद से लगभग तीन दिन बाद कार को बाहर निकाला जा सका।

डब्ल्यूईएफ–2026 दावोस में गुजरात की निवेश क्षमता का वैश्विक मंच पर प्रदर्शन

उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी बोले - प्रधानमंत्री मोदी के विजन से गुजरात बना निवेशकों की पहली पसंद

गांधीनगर (ईएमएस)7 विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी, 2026 के दौरान स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित हो रही है। इस वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के लिए गुजरात की ओर से उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा है। यहां इंडिया पवेलियन के अंतर्गत देश के 10 राज्यों के प्रतिनिधिमंडल उपस्थित हैं, जो भारत में निवेश के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को पेश कर निवेशकों के साथ चर्चा करेंगे।

इस अवसर पर गुजरात की ओर से उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि गुजरात सौभाग्यशाली है कि उसे शुरुआत से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का लाभ मिला है और 2014 के बाद पूरा देश उनके नेतृत्व में विकास कर रहा है। अभी विश्व आर्थिक मंच में भारत का सबसे बड़ा और मजबूत प्रतिनिधिमंडल देखने को मिला है और जब हम तड़के यहां पहुंचे, तब पूरी दुनिया विश्राम में थी, लेकिन भारत के राज्यों के प्रतिनिधिमंडल सक्रिय रूप से निवेशकों के साथ बैठकों में व्यस्त थे। यह हमारी प्रतिबद्धता, हमारी कार्य संस्कृति और देश के लोगों के प्रति हमारे नेतृत्व के समर्पण को दिखाता है।

निवेश के लिए गुजरात की क्षमता को उजागर करते हुए हर्ष संघवी ने आगे कहा कि गुजरात में निवेश की मजबूत परंपरा रही है। वाइब्रेंट गुजरात 2024 में राज्य में 45 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए थे, और पिछले तीन महीनों में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत राज्य में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक के इन्वेस्टमेंट इंटरेस्ट प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात का प्रतिनिधिमंडल यहां कुछ नया सीखने और नए अवसरों की तलाश में आया है।

संघवी ने आगे कहा कि हम यहां अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधिमंडल के रूप में नहीं, बल्कि हम एक देश के रूप में एक ही एजेंडे के साथ यहां उपस्थित हैं। हम सभी यहां अपना कौशल, अपनी क्षमताएं और अपना सुशासन प्रस्तुत करेंगे। गुजरात राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिफेंस, टेक्सटाइल पार्क्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और इनोवेटिव फाइनेंसिंग जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों की तलाश कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बीएसएनएल के तीसरी तिमाही के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज नई दिल्ली में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की तीसरी तिमाही (2025-26) की रणनीतिक समीक्षा और योजना बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार सचिव अमित अग्रवाल, अपर सचिव गुलजार नटराजन, दूरसंचार विभाग (डीओटी) के वरिष्ठ अधिकारी, बीएसएनएल के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ए. रॉबर्ट जे. रवि, निदेशक मंडल और देश भर के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) उपस्थित थे।

नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित इस बैठक में बीएसएनएल की तीसरी तिमाही के प्रदर्शन और प्रमुख सेवा गुणवत्ता मानकों की व्यापक समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बीएसएनएल के मोबाइल ग्राहक आधार और एआरपीयू बढ़ाने, सेवा गुणवत्ता मापदंडों में सुधार तथा राजस्व लक्ष्यों को प्राप्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति की सर्किल-वार विस्तृत समीक्षा की गई। अलग-अलग सर्किलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य राजस्व में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करना और कमियों को दूर करना था।

मोबाइल ग्राहक आधार की वृद्धि और मोबाइल खंड में बीएसएनएल की उपस्थिति को मजबूत करने की पहलों पर विशेष जोर दिया गया। परिचालन प्रगति पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां कुछ सर्किलों ने मोबाइल ग्राहक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है, वहीं अन्य सर्किलों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री ने उल्लेख किया कि मोबाइल प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में तिमाही-दर-तिमाही सुधार हुआ है। जिन सर्किलों में एआरपीयू स्थिर था, उनसे अपने एआरपीयू को बढ़ाने का आग्रह किया गया। बेहतर सेवा पेशकश, ग्राहक बनाए रखने की रणनीतियों और मूल्य वर्धित सेवाओं के माध्यम से एआरपीयू बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री ने सेवा गुणवत्ता (क्यूओएस) के प्रमुख मानकों- जैसे मोबाइल नेटवर्क उपलब्धता और औसत मरम्मत समय (एमटीटीआर)-की समीक्षा की। केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश (पूर्वी), कर्नाटक, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कोलकाता, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे सर्किलों को मोबाइल बीटीएस एमटीटीआर में तिमाही-दर-तिमाही उल्लेखनीय सुधार के साथ अग्रणी सर्किलों के रूप में चिन्हित किया गया।

सभी सर्कलों को नेटवर्क विश्वसनीयता में लगातार सुधार करने, डाउनटाइम कम करने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दोषों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए। उद्यम व्यवसाय खंड में केंद्रीय मंत्री ने उद्यम व्यवसाय के अधिग्रहण और वृद्धि में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पांच 'स्टार परफॉर्मिंग' सर्कलों - कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश (पश्चिम)-को बधाई दी।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मिठाई बांटकर किया खुशी का इजहार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा के बाद हरिद्वार जिला कार्यालय में जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने खुशी में जहां आतिशबाजी की वहीं ढोल नगाड़े बजाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर जश्न मनाया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशुतोष शर्मा ने कहा कि नितिन नबीन के रूप में एक युवा नेतृत्व पार्टी को मिला है। उनके नेतृत्व में पार्टी पुनः देश में अपना परचम हर चुनाव में फहराएगी। एक युवा चेहरा देकर पार्टी नेतृत्व ने फिर से साबित कर दिया की भाजपा में युवाओ को आगे बढ़ाने की इच्छा शक्ति है और भाजपा हर वर्ग की पार्टी है।

दर्जाधारी राज्य मंत्री जयपाल चौहान ने कहा कि नितिन नबीन जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता हैं और देश के युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। जिला महामंत्री संजीव चौधरी ने कहा कि भाजपा युवा नेतृत्व को आगे बढ़ा रही है और एक मात्र पार्टी है जो एक परिवार से नहीं चलती है सब को साथ ले कर चलती है। नितिन नबीन हमारे आदर्श नेता हैं। जिला महामंत्री हीरा सिंह सिंह बिष्ट ने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सब से बड़ी पार्टी है। नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाकर एक बड़ा संदेश दिया की भाजपा युवाओ को आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, तरुण नैयर, सीमा चौहान, जिला जिला कोषाध्यक्ष अरविन्द कुशवाह, जिला मंत्री रेशु चौहान, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अभिनव चौहान, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा प्रीति गुप्ता, जिला अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा टेलूराम प्रधान, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा एज़ाज़ मंडल, अध्यक्ष रीता सैनी, प्रताप प्रधान, मनोज गौतम, सतीश कुमार, प्रताप सिंह, राजन खन्ना, देवेन्द्र चावला आदि सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

राहुल गांधी को दादा फिरोज गांधी की मिली अनमोल अमानत, मां सोनिया से किया साझा

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसदीय क्षेत्र रायबरेली में उनके दादा फिरोज गांधी की एक अनमोल अमानत सौंपी गई। इस पर भावुक हो राहुल ने फौरन ही मॉ सोनिया गांधी से उस अमानत को शेयर किया। दरअसल रायबरेली के भूतपूर्व सांसद फिरोज गांधी का वर्षों पहले खोया ड्राइविंग लाइसेंस राहुल को सौंपा गया, जिससे वे भावुक हो गए।

मंगलवार को राहुल गांधी संसदीय क्षेत्र रायबरेली दौरे पर थे, जहां उन्हें उनके दादा फिरोज गांधी का वर्षों पहले खो चुका ड्राइविंग लाइसेंस अमानत के तौर पर सौंपा गया। इस ड्राइविंग लाइसेंस को रायबरेली के एक परिवार ने दशकों से सहेज कर रखा हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस लाइसेंस को रायबरेली प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट की आयोजन समिति के सदस्य विकास सिंह ने मंच पर ही राहुल गांधी को सौंपा। यहां विकास सिंह ने बताया, कि कई साल पहले रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान उनके ससुर को फिरोज गांधी का यह ड्राइविंग लाइसेंस मिला था। उन्होंने इसे बहुत ही सहेज कर रखा हुआ था और उनके निधन के बाद उनकी पत्नी ने इसे संभाला। इस प्रकार परिवार ने दस्तावेज को एक अमानत के तौर पर संभालकर रखा था, जिसे सही समय पर गांधी परिवार को लौटाना उनका नैतिक कर्तव्य था।

मंच पर जैसे ही राहुल गांधी को लाइसेंस सौंपा गया वे भाव-विभोर हो गए। राहुल ने हाथों में लिया और बहुत ध्यान से देखा और तुरंत ही मोबाइल कैमरे पर उसकी तस्वीर ली और अपनी मां और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को व्हाट्स-एप के जरिए भेज दी। यह सब देख वहां मौजूद लोग भी भावुक हो गए। कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग इसे गांधी परिवार और रायबरेली के पुराने रिश्तों की प्रगाढ़ता के तौर पर देख रहे हैं। यहां बताते चलें कि दिसंबर 1912 में जन्में फिरोज गांधी स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव में रायबरेली लोकसभा सीट से जीतकर संसद पहुंचे थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने नोटिस पर कहा- पहले महाकुंभ में मुझे शंकराचार्य कहा और अब.....

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेला प्राधिकरण द्वारा नोटिस जारी किए जाने के जवाब में स्वामी अवमुक्तेश्वरानंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डाली और कहा पहले महाकुंभ में उन्हें शंकराचार्य कहा गया और अब स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। गौरतलब है कि मेला प्राधिकरण ने नोटिस जारी कर शंकराचार्य पद के दावे पर स्पष्टीकरण मांगा है। इस पर स्वामी अवमुक्तेश्वरानंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी बात रखी और मेला प्रशासन पर उन्होंने गंभीर आरोप भी लगाए। वहीं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पीएन मिश्रा ने कानूनी पक्ष रखा और कहा, कि प्रशासन द्वारा भेजा गया नोटिस सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। यहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, जिस घटना के संदर्भ में उन्होंने अपनी बात रखी थी, उसके बाद बीती रात 12 बजे के बाद एक अधिकारी उनके पास आए और उसी समय नोटिस स्वीकार करने का दबाव बनाने लगे। उन्होंने बताया कि नोटिस देने आया व्यक्ति कानूनगो था और नोटिस चस्पा करने के बाद प्रशासन के अधिकारी वापस चले गए। इसी के साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि मेला प्राधिकरण के सामने ऐसी कौन-सी मजबूरी और आपात स्थिति आ गई, जिसके चलते आधी रात में नोटिस चस्पा किया। उन्होंने दावा किया, कि सुप्रीम कोर्ट का गलत हवाला देकर ये लोग कब तक बच पाएंगे? उन्होंने कहा, कि खुद सरकार ने महाकुंभ में एक स्मारिका (पत्रिका) प्रकाशित की थी, उसमें मुझे शंकराचार्य के रूप में छपा गया था।

कोलकाता पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 125 किलो से अधिक गांजा जब्त

कोलकाता। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस ने 125 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। इस अभियान में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह कार्रवाई विशेष खुफिया सूचना के आधार पर की गई, जिसमें लंबे समय से सक्रिय एक तस्करी रैकेट का सुराग मिला था। सूचना मिलते ही कोलकाता पुलिस ने कई विशेष टीमों का गठन किया और संभावित मार्गों पर कड़ी निगरानी शुरू की। घंटों की सतर्कता के बाद पुलिस ने खिद्दीरपुर रोड पर एक ग्रे रंग की अशोक लेलैंड मिनी मालगाड़ी को रोककर तलाशी ली। शुरुआती जांच में वाहन सामान्य प्रतीत हुआ, लेकिन पुलिस को संदेह होने पर गहन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान वाहन के भीतर स्क्रू से सुरक्षित एक गुप्त कक्ष का पता चला। जब उस कक्ष को खोला गया तो उसमें 124 ब्लॉकों में पैक किया गया लगभग 125 से 128 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की बरामदगी से पुलिस भी चौंक गई, क्योंकि यह किसी संगठित और सुनियोजित तस्करी नेटवर्क की ओर इशारा करती है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी इस गांजे को ओडिशा से कोलकाता ले जा रहे थे, जहां इसे खपाने की तैयारी थी। पुलिस ने मौके से दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोलकाता पुलिस अब इस मामले में आगे की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। जांच का दायरा बढ़ाते हुए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और गांजा कहां से लाया गया तथा किन-किन जगहों पर इसकी सप्लाई होनी थी।

जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार: लहेड़ा में लगे शिविर में 196 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत विकासखंड कल्जीखाल की न्याय पंचायत लहेड़ा में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 33 शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि 196 पात्र लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में 511 ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया।

शिविर की अध्यक्षता एसडीओ गढ़वाल वन प्रभाग आयशा बिष्ट ने की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते

हुए कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को शेष शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया। नोडल अधिकारी शिविर एवं सहायक निबंधक सहकारिता सौरभ कुमार ने बताया कि शिविर में दर्ज 33 शिकायतों में से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि 196 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग, कृषि, उद्यान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन विभाग, ग्रामोत्थान, एनआरएलएम सहित अन्य 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ त्वरित सेवाएं उपलब्ध करायी गयी।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गीता देवी, खंड विकास अधिकारी चंद्र प्रकाश बलूनी, वीपीडीओ नैना जैन, वीडीओ आशुतोष खुगशाल, सहकारिता समिति के सचिव यशवंत सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पीएलबी मनीष खुगशाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

रेजिडेंशियल कॉलोनियों और पब्लिक पार्कों में भी आवारा कुत्तों पर लगे प्रतिबंध - गोयल

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर आंदोलन चला रहे विजय गोयल ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी सहित उन लोगों के बयानों पर भी संज्ञान लिया है, जो अनावश्यक रूप से सुप्रीम कोर्ट के जजों पर आवारा कुत्तों के मुद्दे को लेकर टिप्पणियां कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, स्पोर्ट्स स्टेडियम और सरकारी संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश देकर एक सही और सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को चाहिए कि रेजिडेंशियल कॉलोनियों और सोसाइटी परिसरों में भी आवारा कुत्तों के रहने और उन्हें खिलाने पर प्रतिबंध लगाया जाए, क्योंकि आवारा कुत्तों के काटने की सबसे अधिक घटनाएं इन्हीं क्षेत्रों से सामने आ रही हैं। गोयल ने यह भी कहा कि पब्लिक पार्कों से आवारा कुत्तों को हटाया जाना चाहिए, क्योंकि गरीब लोगों के लिए पब्लिक पार्क ही स्पोर्ट्स स्टेडियम होते हैं। आज कॉलोनियों के बच्चे कुत्तों के डर से पार्कों में खेलना छोड़ चुके हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बधाई देते हुए कहा कि न्यायालय आवारा कुत्तों की गंभीर समस्या को सही दिशा में और संवेदनशीलता के साथ ले रहा है। गोयल ने कहा कि यह बेहद खेदजनक है कि जो लोग स्वयं को एनिमल एक्टिविस्ट या डॉग फीडर कहते हैं, वे न केवल सुप्रीम कोर्ट के जजों पर अनावश्यक टिप्पणियां कर रहे हैं, बल्कि उन्हें भी लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर गालियां दी जा रही हैं और यहां तक कि उनके मरने की कामना तक की जा रही है। इसके साथ ही विजय गोयल ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (RWA) समेत सभी सामाजिक और स्थानीय संस्थाओं से अपील की कि वे आवारा कुत्तों की समस्या पर खुलकर सामने आएं। उन्होंने कहा कि जो लोग सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिला रहे हैं, उनके नाम और विवरण दर्ज किए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में यदि सुप्रीम कोर्ट मुआवजा तय करने की बात करता है, तो इन कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय हो सके।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत, सभी के सिर पर लगी गोली

सहारनपुर (ईएमएस)। यूपी के सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से मंगलवार की सुबह एक दंपति समेत परिवार के पांच शवों को पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थाना सरसावा क्षेत्र की कौशिक विहार कॉलोनी में एक मकान के एक कमरे में अमीन के पद पर कार्यरत अशोक राठी (40), उसकी पत्नी अजिंता (37), मां विद्यावती (70), पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) के शव बरामद हुए। अमीन के पास से तीन पिस्टल भी मिली हैं। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने बताया कि आज सुबह ही पुलिस को यह जानकारी मिली कि सरसावा की कौशिक विहार कॉलोनी में एक अमीन सहित उनके परिवारजनों के कुल पांच शव उन्हीं के मकान के एक कमरे में मिले हैं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। मृतकों के शव एक ही कमरे में पाये गये। उन्होंने बताया कि अशोक राठी के शव के बगल में तीन लोडेड पिस्टलें भी मिलीं। अमीन के पद पर कार्यरत रहे अशोक राठी सहित सभी के सिर पर गोली लगी है। तिवारी ने बताया कि गोली बहुत पास से मारी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा अशोक राठी सहित उसके पारिवारिक परिवेश की जानकारी ली जा रही है और पूरे क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौके से बरामद तीनों पिस्टल देशी हैं और वह लाइसेंसी हैं या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है। एसएसपी ने अब तक की छानबीन के हवाले से बताया कि अशोक राठी को अपने पिता की मौत के बाद उनकी जगह मृतक आश्रित श्रेणी में अमीन की नौकरी मिली थी और वह नकुड़ तहसील में अमीन के पद पर कार्यरत था। उसके दोनों बेटे दसवीं और 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस ने अमीन अशोक राठी के घर को सील कर दिया है ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो पाये। एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव बरामद होने की सूचना मिलते ही सहारनपुर के डीआईजी अभिषेक सिंह, एसएसपी आशीष तिवारी, एसपी देहात सागर जैन सहित फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा जा रहा है।

3 साल से कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

नई दिल्ली(ईएमएस)।भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए खेलना संभव नहीं रह गया है। साइना आखिरी बार जून 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं। 35 वर्ष की साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा कि मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे घोषणा जरूरी नहीं लगी।

साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा कि जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8-9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। मैं अब अपना करियर और नहीं खींच सकती।'

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की तैयारी, सीडीओ ने दिये अधिकारियों को दिशा निर्देश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संबंधित विभागों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप व्यापक, प्रभावी एवं समन्वित ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे जिला मुख्यालय, सभी विकासखंडों, समस्त कार्यालयों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों तथा मतदेय स्थलों पर मतदाता शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं मतदाता सामूहिक रूप से शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम 'भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिक (मेरा भारत, मेरा मत)' निर्धारित की गयी है। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिये कि मतदाता दिवस से पूर्व इसी थीम पर स्कूली बच्चों से भाषण, वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित करवाएं। साथ ही कहा कि प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम स्थल पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यालय के

अलावा विधानसभा स्तर पर न्यूनतम एक दिव्यांग, एक युवा, एक महिला एवं एक वरिष्ठ मतदाता को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पहली बार मतदाता बने नागरिकों एवं दिव्यांग मतदाताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दृष्टिगत वर्ष 2003 की मतदाता सूची को जिला मुख्यालय, निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों तथा मतदेय स्थलों पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 18-19 आयु वर्ग के वे छात्र-छात्राएं, जो अभी मतदाता बनने से वंचित हैं, उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु फॉर्म-6 के माध्यम से विशेष अभियान चलाएं। इसके लिए उन्होंने शिक्षा विभाग एवं संबंधित संस्थानों का सहयोग लेने को कहा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय बनाकर समयबद्ध ढंग से कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें, ताकि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के माध्यम से लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

इस अवसर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी शांति लाल शाह, जिला शिक्षाधिकारी (माध्यमिक) रणजीत सिंह नेगी, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयबीर सिंह रावत, रेडक्रास के जिला सचिव केसर सिंह असवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक यूपी की विधानसभा-ओम बिरला

लखनऊ। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। पीठासीन अधिकारियों के 86वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दूसरे दिन यहां विधानभवन के मंडप (जहां सत्र की कार्यवाही संचालित होती है) में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस विधानसभा में पहले भी आना हुआ है और उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। बिरला ने कहा कि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने देश और दुनिया की सबसे बड़ी विधानसभा में लोकतांत्रिक मूल्यों, श्रेष्ठ परंपराओं, अच्छी परिपाटियों को लागू किया। सम्मेलन में उप्र विधानसभा के बदलाव से संबंधित दिखाई गई 13 मिनट की एक लघु फिल्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उप्र विधानसभा ने महिलाओं और युवाओं के अलग-अलग सत्र आयोजित किये, ताकि महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़े और उसकी प्रेरणा सभी राज्य की महिलाओं को मिले। युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र में बढ़ाने के लिए युवा संवाद और युवा चर्चा जैसे सत्र आयोजित करने जैसे अच्छे प्रयास किये गये। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी विधानसभा की श्रेष्ठ परिपाटी, परंपराएं, नियमों में बदलाव, लोकतंत्र में भागीदारी, नये प्रयोग प्रेरणादायी होते हैं और निश्चित रूप से हम इसीलिए चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अपने छह साल के कार्यकाल में बदलती लोकतांत्रिक विधानसभाओं का स्वरूप देखा है। उन्होंने कहा कि विधानसभाओं में पहले गया और उसके तीन-चार साल बाद गया...सभी माननीय अध्यक्षों ने बदलाव किया और समाज की सक्रिय भागीदारी के लिए बहुत प्रयास किये। बिरला ने कहा कि स्थायी समिति की बैठक में

इस पर चर्चा भी हुई और मुझे आशा है कि आप बहुमूल्य सुझाव देंगे तो उसके लिए एक समिति बनाकर शीघ्र ही इसी सत्र के अंदर राज्यों की विधानसभाओं व लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों का और विश्वास बनाने, चर्चाओं और संवाद के सकारात्मक परिणाम के लिए प्रयास करेंगे।

इसके पहले उप्र विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने अतिथियों का स्वागत किया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने दूसरे दिन सम्मेलन की शुरुआत कराई। इस अवसर पर अपने संबोधन में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र तोमर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों और उप्र विधानसभा अध्यक्ष महाना के नये प्रयोगों की सराहना करते हुए कहा कि आज निश्चित रूप से हम सबके लिए प्रसन्नता का क्षण है कि जब उप्र के इस ऐतिहासिक विधान भवन में हम लोग अपनी बात रखने के लिए एकत्र हुए हैं। तोमर ने कहा कि बिरला जी जबसे लोकसभा अध्यक्ष बने हैं, तब से लगातार राज्यों की विधानसभा की सक्रियता, क्षमता, संपर्क बढ़े और लोकसभा से सम्बद्ध रखते हुए अपने राज्य के विधानमंडलों में कीर्तिमान बनाएं, इसके लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम ही है। उन्होंने चुनावी विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आजकल चुनावों की ऐसी स्थिति हो गई है कि किसी भी प्रकार से चुनावों में टिकट प्राप्त हो, टिकट मिले तो किसी प्रकार से जीतें, जीतने के लिए किसी भी सीमा पर जाना पड़े...। स्वाभाविक रूप से चुनाव होंगे तो जो भी लड़ेगा जीतने के लिए लड़ेगा, लेकिन उसमें भी अर्न्तमापदंड स्थापित होंगे तो हम लोकतंत्र को और भी खूबसूरत बना सकेंगे। जवाबदेही को और ज्यादा सुनिश्चित करने में सफल हो सकेंगे।

वहीं, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र का सबसे सशक्त आधार जनता का अटूट विश्वास होता है। यह विश्वास रातों रात निर्मित नहीं होता और न ही वह किसी एक चुनावी सफलता के परिणाम से परिलक्षित होता है। यह निरंतर व्यवहार, सतत संवाद और अटूट उत्तरदायित्व की परिणति है। देवनानी ने कहा कि हम सदन में बैठते हैं तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है। जब हम जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही की बात करते हैं तो हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि विधायिका कोई स्वायत्त सत्ता केंद्र नहीं है बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं का एक दर्पण है।

उन्होंने कहाकि सदन की सर्वश्रेष्ठता इस बात से तय नहीं होती कि वहां बहुमत कितना प्रभावी है बल्कि वह इस बात से तय होती है कि वहां अल्पमत की आवाज को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। असहमति के स्वर को महत्व देने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि जनता हमसे अपेक्षा करती है कि हम शासन के हर निर्णय की समीक्षा करें और एक एक पैसा जनकल्याण में खर्च हो, यह विधायिका की जिम्मेदारी है।

ज्योति कलश यात्राओं के संग उमड़ा जनसैलाब, शांतिकुंज बना चेतना का महातीर्थ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में आयोजित शताब्दी समारोह के तहत मंगलवार का दिन साधना, सेवा और संकल्प की त्रिवेणी में गान का अवसर बन गया। देश-विदेश से पधारे हजारों साधकों, स्वयंसेवकों और गायत्री परिजनों की उपस्थिति से सम्पूर्ण वातावरण श्रद्धा, उत्साह और दिव्य ऊर्जा से आलोकित हो उठा।

शांतिकुंज की अधिष्ठात्री, स्नेहसलिला श्रद्धेया शैलदीदी ने कहा कि यह समय मलाई को तैरकर ऊपर आने का पावन अवसर है। जीवन में आने वाले संघर्ष हमें तोड़ने नहीं, बल्कि निखारने आते हैं। यही वे क्षण होते हैं, जब मनुष्य अपने भीतर छिपी श्रेष्ठता को पहचान पाता है। उन्होंने युगऋषि के सूत्र को

स्मरण कराते हुए कहा कि अपनी रोटी मिल-बाँटकर खाइए, क्योंकि यही भावना समाज में समरसता, करुणा और अपनत्व का दीप प्रज्वलित करती है। उन्होंने हजारों स्वयंसेवकों को अपना परिवार का एक अंग मानते हुए कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व, आशा और समाधान की दृष्टि से गायत्री परिवार की ओर देख रहा है। उन्होंने कहा कि जिन भवनों की नींव संस्कार, त्याग और सेवा पर रखी जाती है, वे किसी भी तूफान में डगमगाते नहीं। ऐसा ही एक सजीव, संस्कारवान परिवार है गायत्री परिवार। समारोह में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए हरि सेवा आश्रम प्रमुख संत स्वामी हरिचेतनानंद जी महाराज ने आह्वान किया कि 'अब अखंड दीप को केवल प्रज्वलित रखने का नहीं, बल्कि उसे ज्वाला में परिवर्तित करने का समय है। एक दीप तुम जलाओ और एक दीप हम जलाएँ, ताकि यह प्रकाश घर-घर, जन-जन तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि शांतिकुंज कोई साधारण संस्था नहीं, बल्कि चेतना के नवसृजन का तीर्थ है, जहाँ व्यक्ति स्वयं को संस्कारित कर समाज के नव निर्माण का संकल्प लेता है। स्वामी हरिचेतनानंद जी ने इस विराट आयोजन को 'गायत्री महाकुंभ' की संज्ञा देते हुए कहा कि जैसे प्रयागराज का कुंभ जनमानस को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है, वैसे ही यह शताब्दी समारोह जीवन की सुप्त चेतना को जाग्रत कर रहा है। उन्होंने 'एक आचार्य, एक संकल्प और एक ज्योति' को जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया और विश्वास व्यक्त किया कि यह ज्योति अब ज्वाला बन चुकी है, जो शीघ्र ही समाज को चेतना के आलोक से आलोकित करेगी। समारोह के भावपूर्ण समापन अवसर पर श्रद्धेया शैलदीदी, स्वामी हरिचेतनानंद जी महाराज, शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ. चिन्मय पण्ड्या, महिला मण्डल की प्रमुख श्रीमती शैफाली पण्ड्या सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भारत एवं विभिन्न देशों से लौटीं ज्योति कलश यात्राओं का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया। पुष्पवर्षा के मध्य जब ज्योति कलशों की भव्य शोभायात्रा निकली, तो लगा मानो युग-चेतना स्वयं जनमानस के बीच प्रवाहित हो रही हो।

एक नजर

लंढौरा चौकी प्रभारी को किया लाइन हाजिर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वायरल हुए वीडियो का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने चौकी प्रभारी पर कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए लण्ढौरा चौकी प्रभारी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। मामला ट्रक से तेल निकालने से जुड़ा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दारोगा अन्य स्टाफ के साथ टैंकरों से तेल निकालने वालों से रुपये ले रहा था। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की लण्ढौरा चौकी के प्रभारी का एक वीडियो बताया जा रहा है। मामला एसएसपी के संज्ञान में आते ही उन्होंने अनुशासनहीनता और विभाग की छवि धूमिल करने के आरोप में उपनिरीक्षक महिपाल सैनी को हटाकर पुलिस लाइन रोशनाबाद भेज दिया है।

गुजरात में वन्यजीव तस्करी का सबसे बड़ा खुलासा : एसओजी ने करोड़ों का कोबरा ज़हर जब्त किया

सूरत। गुजरात के इतिहास में वन्यजीव तस्करी के सबसे बड़े मामलों में से एक का पर्दाफाश हुआ है। शहर (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) पुलिस ने एक गुप्त ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित कोबरा सांप के ज़हर की भारी खेप जब्त की है। पुलिस ने सूरत के सरथाणा इलाके में स्थित 'पटेल लाइफ पार्टनर' मैरिज ब्यूरो की ऑफिस पर छापा मारकर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 6.5 एमएल तरल कोबरा ज़हर बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत रु. 5.85 करोड़ बताई जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि इस ज़हर की डील रु. 9 करोड़ में फाइनल की गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूरत में एक गिरोह द्वारा कोबरा ज़हर की अवैध खरीद-फरोख्त की सूचना मिली थी। इसी आधार पर एसओजी के पीआई ने डमी ग्राहक बनकर करोड़ों की पेशकश की और जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी डील के लिए एकत्र हुए, पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सूरत के 2 और वडोदरा के 5 लोग शामिल हैं। इनमें 67 वर्षीय मनसुख घीनैया, 60 वर्षीय चिमन भुवा, 41 वर्षीय समीर पंचाल, 74 वर्षीय प्रवीण शाह, 50 वर्षीय केतन शाह, 54 वर्षीय मकरंद कुलकर्णी और 40 वर्षीय प्रशांत शाह के नाम शामिल हैं। जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यह ज़हर अहमदाबाद के आरटीओ सर्कल के पास रहने वाले घनश्याम सोनी नामक मुख्य सूत्रधार द्वारा सप्लाई किया गया था, जो फिलहाल फरार है। आमतौर पर सांप के ज़हर का उपयोग जीवनरक्षक दवाओं, ब्लड प्रेशर नियंत्रण, कैंसर उपचार और एंटी-वेनम बनाने में किया जाता है। लेकिन एसओजी के डीसीपी राजदीप सिंह नकुम के अनुसार, हाल के दिनों में हाई-प्रोफाइल रेव पार्टियों में नशे के लिए 'स्नेक बाइट' के रूप में इसका अवैध इस्तेमाल बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1 एमएल ज़हर की कीमत करीब रु. 90 लाख बताई जाती है। इस बड़े कांड में वडोदरा के एक वकील की संलिप्तता भी सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेस्ट विभाग भी जांच में शामिल हो गया है। लैब रिपोर्ट आने के बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए फरार घनश्याम सोनी की तलाश में जुटी हुई है।

मनरेगा का नाम बदलकर किया गांधी जी का अपमान-राहुल गांधी

रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मनरेगा का नाम बदलने और नयी नीति बनाने को लेकर केन्द्र सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में मनरेगा को लेकर जो सोच थी, उसमें पंचायतों को जिम्मेदारी देने की बात थी और उन्हें आर्थिक रुप से सक्षम बनाना था। उस दौरान दूसरा लक्ष्य था कि हिंदुस्तान के जो गरीब लोग हैं, उनके लिए न्यूनतम मजदूरी बने और उससे कम कहीं भी किसी को मजदूरी न मिलें। कांग्रेस सांसद ने कहा कि नरेंद्र मोदी पावर को 'पावर कांसेप्टेड' करना चाहते हैं। वह पावर को अपने हाथों में लेना चाहते हैं और ब्यूरोक्रेसी के हाथों में देना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मनरेगा का नाम बदलकर उन्होंने गांधी जी का अपमान किया है। उन्होंने गरीब जनता की सुरक्षा को ही हटा दिया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ''मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान'' की मंगलवार को यहां शुरुआत की। उन्होंने ऊंचाहार विधानसभा के उमरन गांव में सीधे मनरेगा मजदूरों और गांव के लोगों से संवाद किया और केंद्र सरकार पर सियासी हमला बोला। मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल के दौरान राहुल गांधी ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा मजदूरों को न तो समय पर काम मिल रहा है और न ही मजदूरी का भुगतान हो पा रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण ग्रामीण गरीबों की रोज़ी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने से ज़मीनी हकीकत नहीं बदलती, ज़रूरत इस बात की है कि मजदूरों को काम और समय पर मजदूरी मिले। केंद्र सरकार मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी तीसरी बार की सरकार की जो सोच थी, उसकी जड़ को काटा गया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। जो मजदूरी करते हैं उनकी सुरक्षा में लगे हुए हैं।

ज्योति कलश यात्रा में शामिल झांकियों ने मोहा मन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

ज्योति कलश यात्रा के दौरान देवभूमि उत्तराखण्ड की अद्भुत एवं अलौकिक झांकी ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। हिमालयी संस्कृति, लोकआस्था और आध्यात्मिक गरिमा से सजी इस झांकी ने उत्तराखण्ड की देवतुल्य परम्पराओं, लोकसंस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का सजीव दर्शन कराया। जैसे ही यह झांकी यात्रा में आगे बढ़ी, श्रद्धालु भावविभोर होकर नमन करने लगे और पूरा वातावरण जयकारों से गूंज उठा।

ज्योति कलश यात्रा केवल आस्था की यात्रा ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत महाकाव्य बनकर उभरी। यात्रा में सम्मिलित छत्तीसगढ़ के आदिवासी लोकनृत्य ने अपनी सहजता, ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली का भावपूर्ण प्रदर्शन किया। ढोल-मांदर की गूंज के साथ थिरकते कदमों ने जनजातीय संस्कृति की जीवंतता को साकार कर दिया।

वहीं गुजरात का पारंपरिक 'तलवार राठवा नी घेर' नृत्य वीरता, शौर्य और अनुशासन का प्रतीक बनकर उभरा। तलवारों की लयबद्ध

गतियों के साथ नर्तकों की सशक्त प्रस्तुतियों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। ओडिशा का डाकूल नृत्य अपनी विशिष्ट वेशभूषा और प्रतीकात्मक भाव-भंगिमाओं के माध्यम से लोकआस्था और सांस्कृतिक परंपराओं की गहराई को उजागर करता रहा।

इसी क्रम में मध्यप्रदेश का भगोरिया एवं भड़म-गौर नृत्य उत्साह, उमंग और लोकजीवन की मस्ती को अभिव्यक्त करता हुआ यात्रा का विशेष आकर्षण बना। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और सामूहिक नृत्य-लय ने सम्पूर्ण यात्रा को उल्लास से भर दिया।

ज्योति कलश यात्रा में विविध राज्यों की इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि गायत्री परिवार केवल आध्यात्मिक चेतना का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकात्मता और राष्ट्रीय समरसता का भी सशक्त माध्यम है। जब ज्योति के साथ लोकसंस्कृति की धड़कनें जुड़ीं, तो यह यात्रा भारत की आत्मा का सजीव उत्सव बन गई।

उपराष्ट्रपति ने राम जन्मभूमि आंदोलन पर लिखी गयी पुस्तक का विमोचन किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति एनक्लेव में पूर्व सचिव सुरेंद्र कुमार पचौरी द्वारा लिखित पुस्तक 'अमृत का प्यालाः राम जन्मभूमि - चुनौती और प्रतिक्रिया' का विमोचन किया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह पुस्तक भगवान श्री राम के जन्मस्थान को पुनः प्राप्त करने के सदियों पुराने संघर्ष का वर्णन करती है और ऐतिहासिक कथा को संतुलन, सहानुभूति और शैक्षिक संयम के साथ प्रस्तुत करती है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण भारत की सभ्यतागत यात्रा में एक निर्णायक क्षण का प्रतीक है, जहाँ आस्था, इतिहास, कानून और लोकतंत्र का गरिमा के साथ समन्वय हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही हजारों मंदिर कहीं और बने हों, लेकिन किसी अन्य का महत्व भगवान राम के जन्मस्थान पर बने मंदिर के बराबर नहीं हो सकता।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भगवान राम राष्ट्र और भारत के धर्म की आत्मा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि धर्म कभी पराजित नहीं हो सकता और सत्य हमेशा विजयी होता है। महात्मा गांधी के राम राज्य के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए न्याय, समानता और गरिमा का प्रतीक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान को स्थापित करने की लंबी प्रक्रिया को देखना पीड़ादायक था और ऐसी स्थिति अधिकांश अन्य देशों में असंभव होती। उन्होंने उल्लेख किया कि यह स्वयं भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है, क्योंकि पूरे राष्ट्र के विश्वास के बावजूद भूमि केवल उचित कानूनी प्रक्रिया और प्रमाण के बाद ही आवंटित की गई। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भारत को सही अर्थ में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है।

2019 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लेख करते हुए सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि न्यायालय का यह निर्णय लाखों भारतीयों के लंबे समय के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करता है और यह भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण ने भारतीयों के आत्म-सम्मान को पुनर्स्थापित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि इतिहास लेखन, साहित्यिक कार्य की सबसे कठिन विधाओं में से एक है, क्योंकि इसके लिए भावनात्मक संतुलन और सच्चाई के प्रति निष्ठा की आवश्यकता होती है। लेखक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि श्री पचौरी ने बिना किसी सनसनीखेज या तोड़-मरोड़ के राम जन्मभूमि आंदोलन के सार को सफलतापूर्वक सामने रखा है।

उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि ऐतिहासिक दस्तावेजों में अंतर के कारण न्याय की लड़ाई लंबी चली। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि यह पुस्तक इस ऐतिहासिक आंदोलन के आधुनिक चरण का वर्णन करती है साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्रीय आत्म सम्मान को पुनर्स्थापित करने के लिए किए गए बलिदान और संघर्षों से अवगत रहें। पुस्तक में उद्धृत एएसआई निष्कर्षों का उद्धरण देते हुए उपराष्ट्रपति ने पहले से मौजूद संरचना के प्रमाण की ओर इशारा किया और रेखांकित किया कि न्यायिक निर्णय के पीछे यह पुरातात्विक आधार था।

उपराष्ट्रपति ने फैसला आने के बाद सार्वजनिक प्रतिक्रिया को असाधारण बताया, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित वित्तीय जनसहयोग अभियान को याद किया, जिसने राम मंदिर निर्माण के लिए विश्वभर के भक्तों से ?3,000 करोड़ से अधिक जुटाए। उन्होंने 1990 के दशक में शिला पूजन में अपनी माता की भागीदारी की व्यक्तिगत स्मृति को भी साझा किया।

सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि पवित्र स्थल का पुनरुद्धार भारत के परिपक्व लोकतंत्र और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति के रूप में सामने आए। उपराष्ट्रपति ने 25 नवंबर 2025 को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में आयोजित ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह को याद किया, जो पूरे राष्ट्र के लिए एक गहरा भावपूर्ण क्षण था।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com